परिवाद प्रकरण क्रमांक 394/2022 **शिवानी फायनेंस वि. मनोज देवांगन**

Witness no. **01** for **परिवादी साक्षी विनीत भट्टर S/o श्री नरेश भट्टर का शपथपत्रीय मुख्य परीक्षण धारा- 145 पराक्रम्य लिखत अधिनियम के अंतर्गत दिनांक- 30.11.2021 को प्रस्तुत किया जा चुका है। जिसमें कंडिका क्रं. 01 से 16 के उपरांत साक्षी को आज दिनांक 17.10.2024 को पुनः शपथ दिलाकर अग्र परीक्षण प्रारंभ किया गया।**

मुख्य परीक्षण द्वारा अधिवक्ता श्री निखिल अग्रवाल वास्ते परिवादी **समय-4.15 बजे - 4.35 बजे**

17. मेरे द्वारा अपने परिवाद के समर्थन में साहूकारी लायसेंस क्रमांक- 01/बी/107 वर्ष 2014-15 प्र.पी.- 1 एवं उसकी छायाप्रति प्र.पी.- 1C, साहूकारी लायसेंस क्रमांक- 03 ब/107 वर्ष 2019-20 प्र.पी.- 2, एवं उसकी छायाप्रति प्र.पी.- 2 C, परिवादी फर्म के नाम का गुमास्ता लायसेंस जिसका प्रोप्राईटर मैं स्वयं हूॅ जिसका क्रमांक 1286/B2A/S/2015 है, कि मूल प्रति प्र.पी.- 3 उसकी छायाप्रति प्र.पी.- 3C है।

18. परिवादी फर्म द्वारा अभियुक्त के खाता क्रमांक - 335701000004186, IFSC CODE- IOBA0003357 में दिनांक 01.12.2020 को हस्तांतरित ऋण राशि 10,000/- रू. ऑनलाईन/NEFT द्वारा हस्तांतरित की गई थी। जिसका UTR क्रमांक- CMS20336211165 है। उक्त हस्तांतरित राशि का डिजिटल हस्ताक्षरित प्रति प्र.पी.- 4 है, जिसमें अ से अ भाग पर अभियुक्त को अंतरित राशि का उल्लेख है तथा ब से ब भाग पर मेरा डिजिटल हस्ताक्षर है।

19. परिवादी ने अभियुक्त को दिनांक- 12.08.2021 को एक नोटिस मय लेजर प्रेषित किया था। जिसकी कार्यालय प्रति प्र.पी.- 05 है जिस पर मेरे डिजिटल हस्ताक्षर है जो कि कुल 02 पन्नो में है। प्र.पी.-5 की नोटिस की पोस्टल रसीद क्रमांक RC297744472IN दिनांक 13.08.2021 प्र.पी.- 6 है।

20. अभियुक्त ने परिवादी को प्र.पी.- 5 का नोटिस प्राप्त होने के पश्चात अपनी ऋण की अभिस्वीकृति हेतु Ackonwledgment of Debt प्रदान किया है जो प्र.पी.- 7 है जिसके अ से अ भाग पर आरोपी के हस्ताक्षर है तथा ब से ब भाग पर मेरी फर्म का सील व मेरा हस्ताक्षर है। अभियुक्त के द्वारा अपने ऋण के अदायगी हेतु दिनांक 15.12.2020 को रजिस्टर्ड मेंडेट परिवादी के पक्ष में प्रदान किया था जिसकी द्वितीय प्रति प्र.पी.- 8 है।

21. डी.सी.बी. बैंक द्वारा परिवादी शिवानी फायनेंस द्वारा पेश किये गये मेंडेट डिसऑनर की सूचना प्र.पी.- 9 है जिसके अ से अ भाग पर अभियुक्त के मेंडेट डिसऑनर की डिटेल्स है, जिसकी प्रति प्र.पी.- 9C है।

22. परिवादी के द्वारा अभियुक्त को विधिक नोटिस दिनांक- 09.10.2021 को प्रेषित किया

जिसकी कार्यालय प्रति प्र.पी.- 10 है तथा पोस्टल रसीद क्रमांक RC298029386IN दिनांक- 11.10.2021 प्र.पी.-11 है जिसके अ से अ भाग पर अभियुक्त की विवरणी उल्लेखित है, जिसकी प्रति प्र.पी.- 11(C) की है। अभियुक्त को प्र.पी.- 10 के नोटिस के अभिस्वीकृति प्र.पी.- 12 है तथा अभियुक्त द्वारा प्रदान उसका आधार कार्ड आर्टिकल ए-1 है।

23. मैंने परिवाद के साथ धारा- 65B भारतीय साक्ष्य अधिनियम के अंतर्गत प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत किया है जो कि प्र.पी.- 13 है जिसके अ से अ भाग पर मेरा हस्ताक्षर है। मैंने अपने डिजिटल हस्ताक्षर का प्रमाण पत्र/सर्टिफिकेट की ऑनलाईन कॉपी संलग्न किया हूँ। उक्त सर्टिफिकेट दिनांक- 05.06.2019 से 03.03.2024 तक वैध है। उक्त सर्टिफिकेट प्र.पी.- 14 है जिसके अ से अ भाग पर मेरा हस्ताक्षर है।

24. परिवादी फर्म के नाम से मेंडेट यूटिनिटी इंफॉरमेशन, क्लाईट अरेंजमेंट शीट – NACH Debit, DCB Cash managment Services प्र.पी.- 15 है, जो कि कुल- 3 पन्नों में है, जिसकी प्रति 15C है।

25. अभियुक्त का लेजर जिसमे अभियुक्त को परिवादी फर्म को भुगतान करने वाली बकाया राशि का लेजर प्र.पी.- 16 है जिसके अ से अ भाग पर मेरा डिजिटल हस्ताक्षर है।

टीप- अभियुक्त की ओर से प्रतिपरीक्षण हेतु समय दिये जाने का निवेदन किया गया। विचार बाद समय दिया गया।

साक्षी को पढकर सुनाया
सही होना स्वीकार किया
सही/–
(मंजू लता सिन्हा)
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी,
जिला बलौदाबाजार –भाटापारा (छ0ग0)

मेरे निर्देशन में टंकित ।
सही/–
(मंजू लता सिन्हा)
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी,
जिला बलौदाबाजार–भाटापार(छ0ग0)

साक्षी के हस्ताक्षर.